ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–६१
दिनांक- शनिवार, ०७ अगस्त, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.7 एवं 24.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 83 प्रतिशत, हवा की औसत गति 12.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.9 एवं दोपहर में 36.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 102.2 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 अगस्त, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08–12 अगस्त, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में तराई के जिलों में अगले दो दिनों तक हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है, जबकि मैदानी भागो में कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। मैदानी भागों के जिलों में भी वर्षा की सम्भावना बनी रहेगी। उत्तर बिहार के जिलों में 09 अगस्त के बाद वर्षा की सम्भावना में वृद्धि हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 08 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार के साथ अगले 2–3 दिनों तक पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार में पिछले कुछ दिनों में बर्षा हुई है, वर्षा जल का लाभ उठाते हुए किसान धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें। धान की खड़ी फसल में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- विगत सप्ताह में उत्तर बिहार में बर्षा हुई है, जिसके कारण खेतों में जल जमाव की स्थिति बन गई है। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अरहर, हल्दी, ओल, सुर्यमुखी एवं मक्का की खड़ी फसलों तथा सब्जियों की नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सके।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च–३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०–२६७ अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- जिन किसान भाई का प्याज का पौध ४५–५० दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय १५०–२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटाश के साथ २० किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (१०–१५ सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी०ओ०–०७, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर ३००–३५० ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में ०७–१० सेन्टीमीटर की दुरी पर बोयें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय २० से २५ टन सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० से ८० किलोग्राम फॉस्फोरस, ४० से ६० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०–१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १–२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५X२.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १०X१० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी